12.12.18 (E)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 6853 **IC**

Unique Paper Code : 52051307

Name of the Paper : हिंदी 'क'

Name of the Course : **B.Com. (Prog.) CBCS**

Semester : III

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

munotes.in

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'नाटक' के तत्वों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कहानी' के तत्त्वों का विवेचन कीजिए। (12)

2. 'मलबे का मालिक' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए।

P.T.O.

अथवा

'मैं हार गई' कहानी का आशय स्पष्ट कीजिए। (12)

3. 'साहित्य जन समूह के हदय का विकास है', निबंध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है', निबंध की मूल संवेदना लिखिए। (12)

4. 'घीसा' का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

'भोलाराम का जीव' व्यंग्य का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। (12)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (10×2=20)

(क) जात ले जात, टके सेर जात। एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जाएं और धोबी को ब्राह्मण कर दें, टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था दें। टके के वास्ते झूठ को सच करें। टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान, टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्तान। टके के वास्ते धर्म्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें, टके के वास्ते झूठी गवाही दें। टके के वास्ते पाप को पुण्य मानें, टके के वास्ते नीच को भी पितामह बनावें। वेद धर्म्म कुल-मरजादा, सचाई लड़ाई सब टके सेर। लुटाय दिया अनमोल माल। ले टके सेर।

(ख) देव! यह मेरे पितृ-पितामहों की भूमि है। इसे बेचना अपराध है; इसीलिए मूल्य स्वीकार करना मेरी सामर्थ्य के बाहर है। महाराज के बोलने से पहले ही वृद्ध मंत्री ने तीखे स्वर में कहा - अबोध! क्या बक रही है? राजकीय अनुग्रह का तिरस्कार! तेरी भूमि से चौगुना मूल्य है; फिर कौशल का तो यह सुनिश्चित राष्ट्रीय नियम है। तू आज से राजकीय रक्षण पाने की अधिकारिणी हुई, इस धन से अपने को सुखी बना।

(ग) सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मरणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आडम्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परन्तु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबसे मंगल के लिए निःशेष भाव से देने में है।

6. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए : (7)

(क) 'व्यंग्य' का परिचय ;

(ख) निबंध की विशेषताएं ।

munotes.in